Journal of Advances in Developmental Research (IJAIDR)
E-ISSN: 0976-4844 ● Website: www.ijaidr.com ● Email: editor@ijaidr.com

# योग स्वास्थ्य केंद्र स्थापना में सीएसआर फंड की भूमिका:एक समकालीन दृष्टिकोण

**शोधार्थी :- मिलिन्द्र त्रिपाठी[1]**

**शोध निर्देशक :- डॉ.मीनाक्षी कर[2]**

**सारांश -**

प्रस्तुत शोध पत्र में योग स्वास्थ्य केंद्र स्थापना में सीएसआर फंड की क्या भूमिका हो सकती है इसका विश्लेषण किया गया है। भारत सरकार द्वारा CSR प्रावधानों में स्वास्थ्य को प्रमुखता दी गयी है। प्रतिवर्ष स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी यह दर्शाता है कि नागरिकों में निवारक स्वास्थ्य एवं जीवन शैली प्रबंधन के प्रति जागरूकता का अभाव है। भारत में वर्ष 2024 - 25 के लिए घोषित बजट में स्वास्थ्य बजट में 11 % की बढ़ोतरी की गई है। भारत का स्वास्थ्य बजट 99,859 करोड़ रुपये का है। स्वास्थ्य पर होने वाले इस भारी भरकम खर्च को योग केंद्रों के माध्यम से कुछ हद तक कम करने का प्रयास किया जा सकता है। हमारे देश में बीमार होने के बाद उपचार की व्यवस्था एवं दृष्टिकोण के उलट हमे ऐसी व्यवस्था बनानी पड़ेगी जिसके कारण देश के नागरिको को बीमारियों से बचाया जा सके। अनेक रिसर्चों में देखा गया है कि योग से शारिरिक ,मानसिक बीमारियों का उपचार तो संभव है ही साथ ही योग से व्यक्ति भावनात्मक स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक उन्नति को भी प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की तरह पूरे भारत में प्रधानमंत्री योग स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना करके हम नए भारत का निर्माण कर सकते है। प्रत्येक जिले को एक कम्पनी को गोद देकर उनके CSR फंड से इन केंद्रों की स्थापना कि जा सकती है।

**मूलशब्द -** योग स्वास्थ्य, सीएसआर फंड, बजट, शैली प्रबंधन, उपचार, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र

## ➢ प्रस्तावना -

प्रमाणों के आधार पर योग का आरम्भ आज से 5000 वर्ष पूर्व से माना जाता है। आज पूरी दुनिया योग को अपना रही है कोरोना काल के बाद दुनिया में योग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। कोरोना काल में पूरी दुनिया ने योग के महत्व को भलीभांति समझा। आज हम समाज में हमारे आसपास देखते है की कम उम्र में हृदयघात से बेहद अल्प आयु में युवाओं की मौत हो रही है। यह स्थिति बेहद डरावनी है। आज हमारे चारो और शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों से ग्रस्त लोगो

की संख्या लगातार तेजी से बढती जा रही है l हमारी वर्तमान अनियमित एवं तनावग्रस्त जीवनशैली का इसमें बहुत बढ़ा योगदान है l मानसिक और शारीरिक बीमारी बढने के साथ साथ उनके समाधान के लिए आज प्रत्येक जिले में योग केन्द्रों की आवश्यकता है l जिसे CSR फ़ंड द्वारा पूरा किया जा सकता है। भारत की सरकार द्वारा एक दूरगामी कदम उठाया गया था l जब वर्ष 2013 में CSR अधिनियम पुरे देश में सख्ती से लागू किया गया, जिसके अंतर्गत कहा गया की कंपनियों को अपने कुल अर्जित लाभ का 2% सामाजिक कल्याण के लिए खर्च करना अनिवार्य होगा (Ministry of Corporate Affairs, 2013)। जैसे प्रत्येक जिले में प्रधानमन्त्री जन ओषधि केंद्र स्थापित किये गये है l उसी तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में CSR व्यय के अंतर्गत योग स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है।

## ➢ 2. सीएसआर फंड और योग स्वास्थ्य केंद्रों का संबंध -:

भारत सरकार द्वारा CSR प्रावधानों में धारा 135 अंतर्गत स्वास्थ्य को वरियता दी गयी है। योग द्वारा शारीरिक , मानसिक स्वास्थ्य एवं भावनात्मक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते है l योग केंद्र स्थापना हेतु अधिक बजट की आवश्कता भी नही होती है l अत: कम्पनियों के CSR फंड से यह काम आसानी से हो सकता है l हमारा देश गाँवों का देश है l आरम्भ में हम CSR फंड से एक एक कम्पनी को एक एक जिले में योग स्वास्थ्य केंद्र खोलने की जिम्मेदारी दे सकते है l बाद में ग्रामीण स्तरों पर भी ऐसे ही केन्द्रों की स्थापना की जा सकती है l

## ➢ उद्देश्य :-

**CSR फंड द्वारा योग स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:**

1. योग केंद्रों के माध्यम से शारीरिक ,मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है l
2. योग केंद्रों द्वारा योग अभ्यास द्वारा तनाव प्रबंधन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सकता है
3. योग केंद्रों द्वारा सामाजिक स्वास्थ्य के स्तर को ऊँचा उठाया जा सकता है l
4. योग केंद्रों की स्थापना द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक समान स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा सकता है l

5. कम्पनियों के CSR फंड का दूरगामी द्रष्टिकोण से सही उपयोग कर स्वास्थ्य सेवाओ को सुलभ बनाया जा सकता है l

### ➢ भारत में सीएसआर के तहत योग केंद्रों की स्थापना के उदाहरण -:

1. Radico Khaitan Ltd. ने यू.पी. में Yoga/Meditation Centre का निर्माण किया (2017-18)।
2. SynapseIndia ने योग मिशन चैरिटेबल ट्रस्ट, वाराणसी को सहयोग किया और योग एवं मेडिटेशन कैंप्स में इन्फ्रास्ट्रक्चर सहायता दी।
3. Jindal Steel & Power (JSPL Foundation) ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (International Day of Yoga) पर अपनी इकाई और आसपास के गांवों में योग शिविर आयोजित किए।
4. Dabur India Ltd. ने International Yoga Day पर पूरे देश में योग और आयुर्वेद हेल्थ कैंप्स आयोजित किए।
5. सीएसआर फंड द्वारा एनएलसी इंडिया लिमिटेड तमिलनाडु योग जागरूकता अभियान का संचालन किया। (नेवेली इंडस्ट्रियल काम्प्लेक्स )
6. हौंडा इण्डिया फाउन्डेशन का प्रोजेक्ट आनन्द योग मंच (ऑनलाइन ) गुरुग्राम हरियाणा

### ➢ योग के प्रभावों का अध्ययन :-

“हार्वर्ड से संबद्ध मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल (एमजीएच) के इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी असेसमेंट और बेन्सन हेनरी इंस्टीट्यूट (बीएचआई) द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि योग ने स्वास्थ्य देखभाल लागत को 43 % तक कम करने में मदद की है।“

### ➢ शोध की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

- **चुनौतियाँ**

1. देश में विविधता एवं वित्तीय संसाधनों की सीमित उपलब्धता है। आज भी अनेक सुदूर स्थानों पर प्राथमिक मुलभुत सुविधा नही है l वहां धरातल पर योग केंद्र स्थापना स्वप्न के समान है।
2. संपूर्ण देश में योग्य एवं प्रशिक्षित योग शिक्षकों की कमी है l
3. ग्रामीण क्षेत्रों में योग जागरूकता एवं प्रारंभिक शिक्षा का आभाव l

- **संभावनाएँ -**

1. योग की लोकप्रियता विश्व स्तर पर बढ़ रही है योग के लाभ को सभी भलीभांति समझ पा रहे है जिससे कंपनियों को CSR फंड के माध्यम से योग स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना के लिए आसानी से प्रोत्साहित किया जा सकता है।
2. डिजिटल प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन योग क्लास के माध्यम से योग शिक्षा का विस्तार आसानी से किया जा सकता है।
3. सरकार और प्राइवेट क्षेत्र के आपसी सहयोग से योग केंद्रों का विराट नेटवर्क तेजी से विकसित किया जा सकता है।

## ➢ निष्कर्ष और अनुशंसाएँ -

हमारे देश में योग स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना में CSR फंड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है l सही दिशा एवं सही उपयोग से देश के स्वास्थ्य बजट के खर्च को कम किया जा सकता है l साथ ही वृहद स्तर पर रोजगार का भी सृजन किया जा सकता है। इन केंद्रों के माध्यम से शारीरिक ,मानसिक, भावनात्मक समस्याओ से देश के नागरिको को मुक्त किया जा सकता है l स्वस्थ्य जीवन शैली एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता होने से बिमारियों की रोकथाम भी की जा सकती है l

## ➢ निम्नलिखित अनुशंसाएँ दी जाती हैं:

1. सरकारी समर्थन: सरकार को CSR फंड के तहत योग केंद्रों की स्थापना करने वाली कम्पनियों को अलग से कर प्रोत्साहन (tax incentives) देने चाहिए। जिससे इस दिशा में सही कार्य करने वाली कम्पनियों को प्रोत्साहन मिले एवं अन्य कम्पनियां भी इस क्षेत्र में कार्य करें l
2. साझेदारी मॉडल: योग केंद्रों की स्थापना में निजी कंपनियों और NGO के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए एवं इनके कार्यो पर निगरानी आसानी से की जा सके l

3. प्रशिक्षण और जागरूकता: शासन द्वारा देश भर में योग शिक्षकों के स्किल डेवलपमेंट हेतु विशेष प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम चलाए जाएँ साथ ही योगाचार्यो को उचित वेतन प्रदान कर रोजगार भी उपलब्ध कराए जा सकते है 1
4. पुरे देश में प्राथमिक विद्यालय स्तर से योग शिक्षा अनिवार्य किया जा सकता है।

## ➢ संदर्भ सूची -:

1. Ministry of Corporate Affairs, Government of India (2013). The Companies Act, 2013 – Section 135
2. लोकसभा सचिवालय, भारत का केंद्रीय बजट 2025–26: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अनुदान मांगों का विश्लेषण. नई दिल्ली: PRS Legislative Research, 2025। उपलब्ध: https://prsindia.org/files/budget/budget_parliament/2025/DFG_Analysis_2025-26-Health.pdf
3. अयंगर, बी.के.एस. (2005). Light on Life: The Yoga Journey to Wholeness, Inner Peace, and Ultimate Freedom. Rodale Books.
4. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) (2024). रूमेटॉइड आर्थराइटिस रोगियों पर योग के लाभ. सीएसआर जर्नल (17 जुलाई, 2024)
5. मासाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल, इंस्टिट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी असेसमेंट एवं बेन्सन-हेनरी इंस्टीट्यूट। “BHI सहभागियों ने डॉक्टर के पास जाने की संख्या में 43% तक कमी की।” PLOS ONE, 2015। शोध निदेशक: डॉ. जेम्स ई. स्टाल। उपलब्ध: https://bensonhenryinstitute.org/study-shows-bhi-participants-reduced-doctors-visits-by-43
6. गुप्ता, एन.; खेरा, एस.; वेम्पति, आर.पी.; शर्मा, आर.; बिजलानी, आर.एल. (2006). "योग आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप का राज्य और लक्षण चिंता पर प्रभाव." Indian Journal of Physiology and Pharmacology, 50(1).
7. यादव, शशि लता; पट्नायक, देबासिस; एवं विश्वनाथ, बबिता (2019). क्या भारत की स्वास्थ्य सेवाएँ देने वाली कंपनियाँ सरकार के नये सीएसआर दृष्टिकोण को पूरा कर रही हैं: मातृ स्वास्थ्य पर विशेष विचार. जर्नल ऑफ हेल्थ रिसर्च (एमराल्ड)